बी0 ए0 (शिक्षाशास्त्र) पाठ्यक्रम एवं नियमावली

प्रवेश अर्हता– वे अथ्यर्थी जो किसी मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्था से इण्टर मिडिएट या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हैं, संस्थागत छात्र के रूप में स्नातक कक्षा में शिक्षाशास्त्र विषय ले सकेगें।

अवधि– बी0 ए0 शिक्षाशास्त्र पाठ्क्रम की अवधि तीन वर्ष होगी।

पाठ्यक्रम– बी0ए0 शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में दो, द्वितीय वर्ष में दो और तृतीय वर्ष में तीन सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र होगें। तीनों वर्षों के सभी सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र के लिए अलग–अलग 75 अंक निर्धारित हैं। इस प्राकर बी0ए0 प्रथम वर्ष के दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (75+75)=150 तथा प्रयोगात्मक कार्य 50 अंक, बी0ए0 द्वितीय वर्ष के दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (75+75)=150 तथा प्रयोगात्मक कार्य 50 अंक तथा बी0ए0 तृतीय वर्ष के तीनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (75+75+75)=225 तथा प्रयोगात्मक कार्य 75 अंकों का होगा। अभ्यर्थी को उत्तीर्ण होने के लिए सैद्धान्तिक तथा प्रयोगात्मक प्रश्नपत्रों में अलग–अलग 36 प्रतिशत अंक या स्नातक परीक्षा के सम्बन्ध में जैसा समय–समय पर विश्वविद्यालय निर्धारित करे अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

बी0ए0 प्रथम वर्ष	प्रथम प्रश्नपत्र	शिक्षा के सिद्धान्त	75
	द्वितीय प्रश्नपत्र	शिक्षा मनोविज्ञान	75
	तृतीय प्रश्नपत्र	प्रयोगात्मक कार्य	50
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	प्रथम प्रश्नपत्र	भारतीय शिक्षा का इतिहास	75
	द्वितीय प्रश्नपत्र	शिक्षा में नवीन प्रवृत्तियॉ	75
	तृतीय प्रश्नपत्र	प्रयोगात्मक कार्य	50
बी0ए0 तृतीय वर्ष	प्रथम प्रश्नपत्र	बाल विकास	75
	द्वितीय प्रश्नपत्र	शैक्षिक मूल्यांकन एवं सांख्यिकीय	75
	तृतीय प्रश्नपत्र	वर्तमान भारतीय समाज में शिक्षा एवं उसकी समस्यायें	75
		प्रयोगात्मक कार्य	75

प्रायोगिक कार्य – विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त एक वाह्य एवं एक आन्तरिक परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न करायी जायेगी जो विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार प्रत्येक अभ्यर्थी के प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन करतें हुए अंक प्रदान कर अंकपत्र प्रस्तुत करेंगे जिन्हें सम्मिलित करते हुए परीक्षा फल की घोषण की जायेगी।

प्रवेश संख्या, प्रवेश प्रक्रिया एवं शुल्क संरचना विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर निर्धारित नियमों (विशेष रूप से स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम) के अनुरूप होगी।

बी0ए0 प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्रः शिक्षा के सिद्धान्त

इकाई 1.1– शिक्षा–अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य, विषय क्षेत्र, शिक्षा के प्रकार, औपचारिक, अनौपचारिक एवं औपचारिकेतर(निरौपचारिक) शिक्षा।

1.2. शिक्षा के अभिकरण– गृह, विद्यालय, परिवार, राज्य एवं समाज।

इकाई 2.1. शिक्षा दर्शनः अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र, भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन की अवधारणा।

2.2. भारतीय शिक्षा दर्शनः वैदिक, बौद्ध एवं इस्लामी शिक्षा दर्शनः महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, रविन्द्र नाथ ठाकुर एवं जे कृष्णमूर्ति का शिक्षा विषयक योगदान

इकाई 3.1. शिक्षा का अर्थशास्त्र, राजनीतिः अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व।

3.2 पाठ्यचर्या–अर्थ, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या में अन्तर, पाठ्यचर्या के प्रकार, पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त, वर्तमान पाठ्यक्रम के दोष।

इकाई 4.1 शैक्षिक समाजशास्त्र–अर्थ एवं आवश्यकता, सामाजिक स्तरीकरण तथा इसका शिक्षा पर प्रभाव, भारतीय समाज की प्रकृति तथा शिक्षा पर प्रभाव।

4.2. शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक गतिशीलता, शिक्षा को प्रभावित करने वाले सामाजिक कारक, शिक्षा एवं संस्कृति, शिक्षा एवं आधुनिकीकरण।

अध्ययन ग्रन्थ

बेकर, जॉन. एल.: मार्डन फिलासफीज ऑफ एजुकेशन,, टाटा मैग्राहिल,1980

तनेजा,वी. आरः,सोशियों फिलासफिकल एप्रोच टू एजूकेशन, एटलांटिक पब्लि. दिल्ली 1979.

इलिच, इवानः डी स्कूलिंग सोसायटी, 1973.

पाण्डेय के. पी.: प्रर्सपेक्टिव इन सोशल फाउन्डेशन आफ एजुकेशन, अमिताभ प्रकाशन, दिल्ली, 1983

पाण्डेय के. पी0ः नवीन शिक्षा दर्शन, अमिताश प्रकाशन, दिल्ली, 1988.

पाण्डेय रामसकलः शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा 1983.

वर्मा रामनाथः महान शिक्षा दार्शनिकः राधा पब्लिकेशन, दिल्ली.

ओड एल. के. : शिक्षा के दार्शनिक आधार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर.

चतुर्वेदी सीतारामः शिक्षा दर्शन,, राज्य हिन्दी संस्थान, लखनऊ।

ओड एल.के. शिक्षा के नूतन आयाम, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

बी0ए0 प्रथम वर्ष

द्वितीय प्रश्नपत्रः शिक्षा मनोविज्ञान

इकाई 1.1: शिक्षा मनोविज्ञान– अर्थ, प्रकृति, विषय क्षेत्र, अध्ययन की विधियाँ।

1.2 वृद्धि एवं विकास–अर्थ, शैशवावस्था, बाल्यावस्था व किशोरावस्था में बौद्धिक, सामाजिक, मानसिंक एवं सांवेगिक विकास की प्रमुख विशेषताएं।

इकाई 2.1. अधिगम (सीखना)– अर्थ, प्रकार, अधिगम के सिद्धान्त, शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धान्त, क्रिया प्रसूत अनुबन्धन, प्रयास एवं त्रुटि सिद्धान्त, अन्तर्दृष्टि सिद्धान्त।

2.2 अधिगम का स्थानान्तरणः अर्थ, सिद्धान्त, अधिगम के स्थानान्तरण को प्रभावित करने वाले कारक।

इकाई 3.1.बुद्धिः अर्थ एवं सिद्धान्त, सृजनात्मकता– अर्थ, स्वरूप तथा इसके विकास हेतु शैक्षिक प्रावधान।

3.2 स्मृति –अर्थ तथा स्मृति को उन्नत करने की विधियाँ, विस्मृति का अर्थ एवं कारण, प्रत्यक्षीकरण, तर्क एवं प्रत्यय निर्माण तथा समस्या समाधन।

इकाई 4.1. व्यक्तित्वः अर्थ, प्रकार, व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक, समायोजन एवं मानसिक स्वास्थ्यः अर्थ एवं प्रभावित करने वाले कारक।

4.2. अभिप्रेरणाः अर्थ, प्रकार, छात्रों को अभिप्रेरित करने वाले कारक एवं इसका शैक्षिक निहितार्थ।

अध्ययन ग्रन्थः

कुन्डु सी.एल.: एजुकेशनल साइकोलॉजी, स्टर्लिंग पब्लिशर्स.

गुप्ता एस.पी. एवं गुप्ता अलकाः उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

पाण्डेय के0पी0: नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

दत्त एन. के.: द साइकोलॉजिकल फाउन्डेशन्स ऑफ एजुकेशन, दोआबा हाउस दिल्ली

दवे, इन्दुः शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी जयपुर.

तोमर, लज्जारामः भारतीय शिक्षा मनोविज्ञान के आधार, विद्याभारती प्रकाशन, संस्कृति भवन, कुरूक्षेत्र।

जायसवाल सीतारामः व्यक्तित्व का मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

बी0ए0 प्रथम वर्ष
तृतीय प्रश्नपत्र

(समस्त छात्रों के लिये अनिवार्य)

1. अधोलिखित मनोवैज्ञानिक सम्प्रत्ययों में से प्रत्येक पर एक प्रयोग–

1. अवधान
2. प्रत्यक्षीकरण
3. स्मृति
4. थकान
5. अधिगम का स्थानान्तरण
6. समस्या समाधान
7. गति और परिशुद्धता

2. किसी एक औपचारिक अथवा अनौपचारिक शैक्षिक संस्था का गहन निरीक्षण करके उसका कम से कम 15 पृष्ठों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।

बी.ए.: द्वितीय वर्ष प्रथम प्रश्नपत्र

भारतीय शिक्षा का इतिहास

इकाई **1.1.** वैदिक एवं बौद्ध कालीन शिक्षा एवं इनकी प्रमुख विशेषतायें

1.2. मध्य कालीन शिक्षा एवं पूर्व औपनिवेशिक कालीन शिक्षा, इसकी प्रमुख विशेषतायें

इकाई **2.**1. चार्टर एक्ट, मैकाले का विवरण पत्र एवं वुड का घोषणा पत्र

2.2. हण्टर आयोग एवं गोखले बिल

इकाई **3.**1 सैडलर आयोग एवं हर्टांग समिति

3.2 वर्धा शिक्षा योजना एवं सार्जेन्ट योजना

इकाई **4.**1 विश्वविद्यालय आयोग(1948–49) एवं माध्यमिक शिक्षा आयोग (1952–53)

4.2 शिक्षा आयोग (1964–66) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 तथा समीक्षा समिति रिपोर्ट (आचार्य राममूर्ति 1990), राष्ट्रीय ज्ञान आयोग।

अध्ययन ग्रन्थः

कपूर उर्मिलाः, भारतीय शिक्षा की समस्याएँ

श्रीवास्तव जे.पी. एवं ओबराय, आधुनिक भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ

चौबे सरयू प्रसाद, भारतीय शिक्षा–समस्याएँ, प्रवृत्तियां और नवाचार

पाण्डेय के.पी., भारतीय शिक्षा की समस्याएं वर्तमान सन्दर्भ

वर्गीय, शंकर विजय भारतीय शिक्षा का इतिहास. विशेषता

पाठक पी.डी. एवं त्यागी, भारतीय शिक्षा की समस्याएँ

शर्मा रामनाथः प्राब्लम्स आफ एजुकेशन इन इण्डिया

जौहरी वी.पी. एवं पाठक पी. डी., भारतीय शिक्षा का इतिहास

पाण्डेय रामशकल एवं मिश्र करूणा शंकर भारतीय शिक्षा की समसामयिक समस्याएँ

त्यागी गुरूसरनदास एवं तिवारी रमा, भारतीय शिक्षा का विकास एवं समस्याएं

भटनागर सुरेश, आधुनिक भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
द्वितीय प्रश्नपत्रः शिक्षा में नवीन प्रवृत्तियॉ

इकाई 1.अ. शैक्षिक तकनीकीः अर्थ, विशेषताएं, प्रकार, उपागम– हार्डवेयर, साफ्टवेयर एवं प्रणाली उपागम, शिक्षा में श्रव्य–दृश्य सामग्री एवं इनका महत्व।

ब. सम्प्रेषण तकनीकी–सम्प्रेषण सम्प्रत्यय, आवश्यकता एवं प्रक्रिया, शिक्षा में सम्प्रेषण की उपयोगिता।

इकाई 2अ. अभिक्रमित अनुदेशन– तात्पर्य, विशेषता, प्रकारः रेखीय, शाखीय, शिक्षा में इनका महत्व।

ब. कम्प्यूटर सहअनुदेशन–तात्पर्य एवं विशेषताएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर स्वरूप, विशेषताएं एवं अनुप्रयोग तथा इनका शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई 3अ. शिक्षा में नवाचारः अर्थ एवं प्रकार, बहु –माध्यम उपागम, कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन, सैटेलाइट सम्प्रेषण, इ–मेल, इ–लर्निंग, आभासीय पुस्तकालय।

ब. क्रियात्मक अनुसंधानः प्रत्यय, विषय क्षेत्र, विविध सोपान, क्रियात्मक अनुसंधान के लाभ एवं सीमाएं।

इकाई 4अ. दूरस्थ शिक्षाः प्रत्यय, आवश्यकता, खुला विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा के लाभ एवं सीमायें।

ब. शिक्षा का निर्विद्यालयीकरणः प्रत्यय, निर्विद्यालयीकरण आन्दोलन, आधुनिक संस्थाओं का वर्गीकरण, विद्यालयों की घटती उपयोगिता एवं समाधान।

अध्ययन ग्रन्थः

पासी, बी. के., बिकमिंग बेटर टीचरः ए माइक्रो टीचिग एप्रोच, साहित्य मुद्रणालय, अहमदाबाद, 1975.

सिंह त्रिभुवन एवं सिंह प्रभाकर, शिक्षण अभ्यास के सोपान, भारत भारती प्रकाशन, जौनपुर 1984.

सिंह एल. सी. एवं शर्मा आर. डी., माइक्रोटीचिंग, थ्योरी एण्ड प्रैंटिस, नेशनल साइकोलाजिकल कारपोरेशन, आगरा, 1991.

जायॅस ब्रूस एवं वील मार्शाः माडल आफ टीचिंग, प्रैंटिस हॉल इंक, न्यूजर्सी 1972.

सनसनवाल डी. एन. एवं सिंह प्रभाकरः माडल आफ टीचिंग, सोसाइटी फार एजुकेशनल रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट, बड़ौदा 1991.

डिसिको, जान पी.: एजुकेशनल तकनालॉजीः रीडिंग इन प्रोग्राम्ड इन्स्ट्रक्शन, लन्दन, हाल्ट रिनेहार्टएण्ड बिन्स्टोन, 1964

सम्पत के. तथा अन्य, इन्स्ट्रक्शन टू एजुकेशनल तकनालाजी, नयी दिल्ली स्टर्लिंग पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड 1988.

शर्मा आर. ए. शैक्षिक तकनीकी, लायल बुक डिपो, मेरठ 1990
मित्तल सन्तोष, शैक्षिक तकनीकी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 1995.
अग्रवाल जे. सी., इसेन्शियलस आफ एजुकेशनल टेक्नालाजीः टीचिंग लर्निंग एनोवेशन इन एजुकेशन, विकास पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
पाण्डेय के. पी.: मार्डन कान्सेप्ट फार टीचिंग विहेवियर, अनामिका पब्लिशर प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, 1997.
पाण्डेय सरला एवं उपाध्याय आर., शैक्षिक तकनालॉजी के आयाम, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2001.
पाण्डेय के. पी. शिक्षण अधिगम की तकनालाजी, अमिताश प्रकाशन, मेरठ, 1988.

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
प्रयोगात्मक कार्य

प्रत्येक छात्र को सत्र के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रयोगात्मक कार्य करना होगा।

1. शिक्षाशास्त्र विषय में किसी एक प्रकरण पर अभिक्रमित अनुदेशन का निर्माण
2. दूरदर्शन या आकाशवाणी के किसी शैक्षिक प्रसारण का समीक्षात्मक अध्ययन, प्रसारण केन्द्र, दिनांक, समय, प्रसारण अवधि सहित।
3. शैक्षिक विकास से सम्बन्धित साफ्टवेयर का निर्माण
4. शैक्षिक विकास पर चार्ट निर्माण करना।
5. किसी एक परीक्षण का मानकीकरण करना।

नोट– उपर्युक्त निर्धारित प्रायोगिक कार्यों की अभिलेख पंजिका बनाना प्रत्येक छात्र के लिए अनिवार्य होगा जिसके आधार पर आन्तरिक और वाह्य परीक्षक मूल्यांकन करेंगे।

बी0ए0 तृतीय वर्ष शिक्षाशास्त्र
प्रथम प्रश्नपत्र– बाल विकास

इकाई 1अ. बान विकासः अर्थ एवं महत्व, प्रासंगिकता, अभिवृद्धि एवं विकास में अन्तर, विशेषताएं एवं विकास के सिद्धान्त।

ब. बाल विकास में वंशानुक्रम एवं पर्यावरणः अर्थ ?, सिद्धान्त, बाल विकास में वंशानुक्रम एवं पर्यावरण का सापेक्षिक महत्व।

इकाई 2अ. बालक की आदतों, स्थायीभव एवं चरित्र का विकास, इनका परस्पर सम्बन्ध तथा शैक्षिक निहितार्थ।

ब. अभिरूचिः सम्प्रत्यय, बालक में अभिरूचि का विकास एवं मापन।

इकाई 3अ. व्यक्तिगत भिन्नताएँः अर्थ, प्रकार एवं शैक्षिक निहितार्थ।

ब. स्वाभाविक प्रवृत्तियॉः अर्थ, स्वाभाविक एवं मूल प्रवृत्तियों में अन्तर एवं शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई 4अ. किशोरावस्थाः सामाजिक, सांवेगिक, संज्ञानात्मक एवं नैतिक विकास एवं शैक्षिक निहितार्थ।

ब. निर्देशन एवं परामर्शः सम्प्रत्यय, प्रकार, विधियॉ एवं किशोरों की दृष्टि से इसका शैक्षिक निहितार्थ।

अध्ययन ग्रन्थ

कुन्डु सी.एल.: एजुकेशनल साइकोलॉजी, स्टर्लिंग पब्लिशर्स.

गुप्ता एस.पी. एवं गुप्ता अलकाः उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

पाण्डेय के0पी0: नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

दत्त एन. के.: द साइकोलॉजिकल फाउन्डेशन्स ऑफ एजुकेशन, दोआबा हाउस दिल्ली

दवे, इन्दुः शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी जयपुर.

तोमर, लज्जारामः भारतीय शिक्षा मनोविज्ञान के आधार, विद्याभारती प्रकाशन, संस्कृति भवन, कुरूक्षेत्र।

जायसवाल सीतारामः व्यक्तित्व का मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

बी0ए0 तृतीय वर्ष शिक्षाशास्त्र
द्वितीय प्रश्नपत्र– शैक्षिक मूल्यांकन एवं सांख्यिकी

इकाई 1.1 मापन और मूल्यांकनः अर्थ, क्षेत्र तथा उद्देश्य, अन्तर, मापन के स्तर, मापन के कार्य, शैक्षिक मूल्यांकन की प्रक्रियाः शैक्षिक उद्देश्य, अधिगम अनुभव एवं व्यवहार परिवर्तन।

1.2.संरचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन, मानक संदर्भित एवं निकष संदर्भित परीक्षणः अभिप्राय तथा विशेषताएं।

इकाई 2.1 एक अच्छे मापन उपकरण की विशेषताएँ।

2.2.निबन्धात्मक एवं वस्तुनिष्ठ परीक्षण– विशेषताएं एवं सीमाएँ, निष्पत्ति परीक्षण का निर्माण एवं मानकीकरणः उद्देश्यों का निर्धारण, पद निर्माण, पद विश्लेषण– कठिनाई स्तर एवं विभेदन क्षमता, विश्वसनीयता, वैधता व मानक निर्धारण।

इकाई 3.1 साख्यिकीः अर्थ, उद्देश्य, आकड़ों का व्यवस्थापन आकड़ों का रेखचित्रीय प्रदर्शनः स्तम्भाकृति, आवृत्ति बहुभुज, संचयी आवृत्ति वक्र ।

3.2. केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें– मध्यमान, मध्यांक, बहुलांक, विचलन की मापें– मानक विचलन एवं चतुर्थांश विचलन की गणना।

इकाई 4.1. सहसम्बन्ध– अर्थ, कोटि अन्तर विधि, गुणन आघूर्ण विधि से सहसम्बन्ध गुणांक की गणना ।

4.2. सामान्य सम्भाव्यता वक्र– विशेषताएँ उपयोग।

अध्ययन ग्रन्थः

शर्मा, आर. ए., मापन एवं मूल्यांकन, लायल बुक डिपो, मेरठ।

भार्गव, महेश मनोवैज्ञानिक परीक्षण, आगरा।

गुप्ता, एस. पीः आधुनिक मापन तथा मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, 11, युनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद।

आस्थाना, विपिनः मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन और मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

पाण्डेय,के.पी., शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, अमिताश प्रकाशन, मेरठ।

सिंह, लाल साहब, मापन, मूल्यांकन तथा सांख्यिकी, साहित्य प्रकाशन, हास्पीटल रोड, आगरा।

ग्रीनलैण्ड, एन.इ.,मीजरमेंट एण्ड इवेलुएशन इन टीचिंग,न्यूयार्कःद मैकमिलन कं0

गिलफोर्ड जे0पी0 साइकोमेट्रिक मेथड्स, न्यूयार्क, मेग्रो हिल बुक कं0

गेरेट एच. इ., स्टेटिस्टिक इन साइक्लाजी एण्ड एजुकेशन, बाम्बे बकिल्स, पंलर एण्ड साइमन्स प्रा. लि.।

ब्लूम बी एस, मेजरिंग एजुकेशनल आब्जेक्टिव हैण्डबुक–1ः कागनेटिव डोमेन्स, न्यूयार्कः डेविड मे के कं0

बी0ए0 तृतीय वर्ष शिक्षाशास्त्र
तृतीय प्रश्नपत्र– वर्तमान भारतीय समाज में शिक्षा एवं उसकी समस्यायें

इकाई 1अ. भारतीय समाज की विशेषताएं एवं शिक्षा पर उसका प्रभाव।

ब. प्राथमिक शिक्षाः ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, प्राथमिक शिक्षा के सार्वभैमींकरण में आने वाली समस्यायें, सार्वभौमींकरण हेतु किये जाने वाले प्रयास।अपव्यय एवं अवरोधन की समस्याः कारण एवं समाधन, अधिगम बोझ, अधिगम का न्यूनतम स्तर, परीक्षा–सुधार।

इकाई 2अ. माध्यमिक शिक्षाः ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, समस्याएँ, माध्यमिक शिक्षा का व्यवसायीकरणः अर्थ एवं समस्याएं।

ब. माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या संरचना, पाठ्यपुस्तक, राष्ट्रीयकरण, अभिभावक शिक्षक संघ तथा परीक्षा सुधार से सम्बन्धित समस्याएँ।

इकाई 3अ. उच्च शिक्षाः ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, वर्तमान परिदृश्य एवं समस्याएँ, उच्च शिक्षा में स्वायत्तता, स्ववित्त पोषित कार्यक्रम, अनुशासन

ब. उच्च शिक्षा में पाठ्यक्रम निर्धारण, प्रशासन एवं समन्वयकारी अभिकरण, उच्च शिक्षा में मूल्यांकन की समस्या, शैक्षिक मानक तथा परीक्षा सुधार से सम्बन्धित समस्याएँ।

इकाई 4अ. शिक्षा में शैक्षिक अवसरों की समानता, विकलांग तथा वंचित वर्ग के बालकों की शिक्षा, शिक्षा एवं मानवाधिकार, शिक्षा के लिए संवैधानिक प्रावधान।

ब. मूल्य शिक्षाः अर्थ, मूल्यों के प्रकार, मूल्य शिक्षा का प्रत्यय तथा आवश्यकता, मूल्यों के विकास में पाठ्य–सहगामी क्रियाओं की भूमिका।

अध्ययन ग्रन्थः

कपूर उर्मिलाः, भारतीय शिक्षा की समस्याएँ
श्रीवास्तव जे.पी. एवं ओबराय, आधुनिक भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ
चौबे सरयू प्रसाद, भारतीय शिक्षा समस्याएँ, प्रवृत्तियां और नवाचार
पाण्डेय के.पी., भारतीय शिक्षा की समस्याएं वर्तमान सन्दर्भ
वर्गीय, शंकर विजय भारतीय शिक्षा का इतिहास. विशेषता
पाठक पी.डी. एवं त्यागी, भारतीय शिक्षा की समस्याएँ
शर्मा रामनाथः प्राब्लम्स आफ एजुकेशन इन इण्डिया
जौहरी वी.पी. एवं पाठक पी. डी., भारतीय शिक्षा का इतिहास
पाण्डेय रामशकल, भारतीय शिक्षा की समसामयिक समस्याएँ
त्यागी गुरूसरनदास एवं तिवारी रमा, भारतीय शिक्षा का विकास एवं समस्याएं
भटनागर सुरेश, आधुनिक भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ

बी0ए0 तृतीय वर्ष शिक्षाशास्त्र
प्रायोगिक कार्य

प्रत्येक छात्र को किसी भी एक प्रकार के विशिष्ट बालक पर निम्नलिखित परीक्षणों में से किन्ही पांच परीक्षणों का प्रशासन कर विस्तृत निदानात्मक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना होगा–

1. बुद्धि परीक्षण
2. रूचि मापन
3. तर्क परीक्षण
4. समायोजन
5. अध्ययन आदत
6. सृजनात्मकता
7. उपलब्धि परीक्षा
8. अभिरूचि परीक्षा
9. व्यक्तित्व परीक्षण

नोट– उपर्युक्त निर्धारित प्रायोगिक कार्य की अभिलेख पंजिका बनाना प्रत्येक छात्र के लिये अनिवार्य होगा। छात्रों की परीक्षा उसके द्वारा प्रोजेक्ट कार्य में लिये गये परीक्षणों में से एक परीक्षण पर लिखित रूप से सम्पन्न करायी जायेगी। इन सबके अधार पर छात्र का मूल्यांकन किया जायेगा।